



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

13/10

सं. 117]  
No. 117]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 31, 1984/भाद्र 9, 1906  
NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 31, 1984/BHADRA 9, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1984

सार्वजनिक सूचना सं. 49/आई. टी. सी. (पी. एन.)/84

विषय :--1984-85 के लिए 50 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहा-  
यता के अंतर्गत भारत के राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली  
द्वारा जापान से उपस्कर के आयात और उपस्कर को भारत के  
पत्तनों पर लाने के लिए आवश्यक सेवाओं के लिए लाइसेंस शर्तें।

मिलियन सं. आई. पी. सी./23 (5)/84 :--भारत के राष्ट्रीय  
संग्रहालय, नई दिल्ली द्वारा जापान से 50 मिलियन येन की जापानी  
अनुदान सहायता के अंतर्गत उपस्करों के आयातों के लिए लागू होने  
वाली जैसी शर्तें इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, उन्हें  
जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है।

हस्ताक्षरित

प्रकाश चन्द जैन, मुख्य नियंत्रक,

आयात एवं निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 49 आई. टी. सी. (पी. एन.)/84  
दिनांक 31-8-84 के लिए परिशिष्ट

1984-85 के लिए 50 मिलियन (50,000,000) येन की जापानी  
अनुदान सहायता के अंतर्गत जापान से भारत में उपस्कर और इस उपस्कर  
की भारत में पत्तनों तक ले जाने के लिए आवश्यक सेवाओं के आयात  
के लिए लाइसेंस शर्तें।

744 GI/84

खण्ड-1 सामान्य शर्तें

1. (1) 1984-85 के लिए 50 मिलियन येन (लागत और भाड़ा)  
की जापानी अनुदान सहायता का उद्देश्य उपस्कर के आयात के लिए  
जापानी संभिरकों का भुगतान करने के लिए और भारत में, खोज और  
सांस्कृतिक सम्पत्ति के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली द्वारा  
भारत के पत्तनों पर उसको लाने के लिए आवश्यक सेवाओं के लिए  
उपयोग करना है।

1. (2) आयातक के नाम में आयात लाइसेंस 52 मिलियन येन  
(लागत बीमा भाड़ा) मूल्य से अधिक के लिए जारी नहीं किए जाने चाहिए  
और उन पर एक शीर्षक "1984-85 के लिए 50 मिलियन येन जापानी  
अनुदान सहायता" होना चाहिए। प्रथम और द्वितीय प्रस्थ के लिए लाइसेंस  
संकेत "एस./जे. एन." होगा।

1. (3) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को बैंक खर्च जिसका प्रेषण  
सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से किया जा सकता है, के अतिरिक्त  
विशेषी मुद्रा यदि कोई हो, किसी भी प्रेषण की अनुमति आयात लाइसेंस  
के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकर्ता के कमीशन के प्रति यदि कोई हो  
तो कोई भी भुगतान अधिकर्ता की भारतीय रुपये में चुकाना चाहिए। लेकिन  
ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होने और इसलिए लाइसेंस पर ही  
प्रभारित किए जाएंगे।

1. (4) इस अनुदान सहायता के अधीन उपस्कर केवल जापान से  
प्राप्त किया जाना चाहिए।

1. (5) आयात लाइसेंस 31.3.1985 तक की प्रारंभिक अवधि के साथ लागत बीमा भाडा के आधार पर जारी किया जाएगा।

1. (6) संविदा में नकद आधार पर अर्थात् बैंक आफ इंडिया, टोकियो को जापानी संभरकों द्वारा पोतलदान दस्तावेजों को प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। उसमें सुपुर्वगी की अवधि के लिए भी इस प्रकार व्यवस्था होनी चाहिए :--

“सुपुर्वगी 15-3-1985 तक पूर्ण की जानी है”

1. (7) संविदा का मूल्य (केवल लागत तथा भाडा आधार पर) मेन में दर्शाया जाता चाहिए (येन के भिन्न को हटाया जाना चाहिए) और यदि कोई हो तो भारतीय अधिकर्ता का कमोशन शामिल नहीं किया जाना चाहिए। भारतीय रुपये या अन्य किसी मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। जहाज पर्यन्त निशुल्क लागत बीमा और भाडा धनराशि अलग-अलग प्रदर्शित की जा सकती है, परन्तु ठेके में यह बात स्पष्ट कर देनी चाहिए कि भाडे का खर्च वास्तविक आधार पर देय होगा या ठेके में निविष्ट किए गए भाडे का खर्च वास्तविक खर्चों के अतिरिक्त देय धनराशि होगी।

1. (8) क्रम संविदा केवल जापानी राष्ट्रकों या जापानी राष्ट्रकों द्वारा नियंत्रित जापानी स्याधिक व्यक्तियों के साथ की जानी चाहिए।

खण्ड-2 संभरण ठेकों में निम्नलिखित शर्त विशेष रूप से समविष्ट होनी चाहिए :--

2. (1) 1984-85 के लिए 50 मिलियन येन की अनुदान सहायता से संबंध इस संविदा की व्यवस्था 11 मई, 1984 को भारत और जापान के सरकार के बीच हुए समझौते के अनुसार की गई है और यह दोनों सरकारों के अनुमोदन के अधीन होगी।

2. (2) विदेशी संभरकों को भुगतान उस “भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र” (ए/पी) के माध्यम से किया जाएगा जो 1984-85 के लिए जापानी अनुदान सहायता के अधीन बैंक आफ इंडिया, टोकियो के नाम में सहायता एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग, यू.सी.ओ. बैंक विलिडग, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001 द्वारा जारी किया जाएगा।

2. (3) जापानी संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगा जो एक ओर भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर जापान सरकार द्वारा अपेक्षित हो।

2. (4) जापानी संभरक भारतीय दूतावास, टोकियो के परामर्श से पोतलदान की व्यवस्था करने को तैयार है और उसके लिए संबंधित माल की सुपुर्वगी के कार्यक्रम की भारतीय दूतावास टोकियो को सूचना देगा और अपेक्षित पोतपरिवहन के लिए छः सप्ताह पहले ही भारतीय दूतावास टोकियो को अधिसूचित करवाएगा जिससे उचित व्यवस्था की जाए। विशेष मामलों में, जहां भारतीय आयातक यह चाहता हो, अधिसूचना की अवधि कम की जा सकती है। आवश्यक ब्यौरे देते हुए प्रत्येक पोतलदान के बाद जापानी संभरक को आयातक को केवल सूचना भेजने के लिए भी सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय, दूतावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-3 भारत सरकार और जापान द्वारा ठेके का अनुमोदन:

3. (1) जैसे ही आवेशों को अंतिम रूप दे दिए जाते हैं, लाइसेंस-धारी को दोनों पार्टियों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित ठेके की चार प्रतियां या जापानी संभरकों को भारतीय आयातक द्वारा दिए गए त्रय आदेश के साथ जापानी संभरक द्वारा लिखित रूप में पुष्टिकरण आवेश की चार प्रतियां या सभी प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियों के साथ अनुबंध 1 के प्रपत्र में “(ए/पी) जारी करने के आवेदन” की 2 प्रतियों सहित अवर सचिव

(टी.ए.) आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नया ब्लाक, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए। उपर्युक्त प्रक्रिया संविदा की विषय वस्तु या उसकी कीमत के आवश्यक आशोधनों से उत्पन्न सभी संविदा संगोष्ठनों के लिए भी लागू होगी।

3. (2) वित्त मंत्रालय (डी.ई.ए.) जापान अनुभाग 1984-85 के लिए 50 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अधीन वित्तदान देने के लिए संविदा की एक प्रति जापान सरकार को अनुमोदन के लिए भेजेगा, और इसी के साथ-साथ उपर्युक्त (1) में उल्लिखित दस्तावेजों का एक-एक सेट लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक और भारत के दूतावास, टोकियो को भी भेजा जाएगा।

3. (3) जापान सरकार से ठेका अनुमोदन प्राप्त करने के बाद वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नया ब्लाक का जापान अनुभाग उक्त सूचना सहायता लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू.सी.ओ. बैंक विलिडग, संवद मार्ग, नई दिल्ली-110001 को देगा जो कि जापानी संभरक को भुगतान करने के लिए बैंक आफ इंडिया टोकियो को अनुबंध-2 के अनुसार एक “भुगतान प्राधिकार पत्र” (ए/पी) जारी करेगा। प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्रतियां भारत का दूतावास टोकियो, आयातक, भारत में आयातक के बैंक और वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के जापान अनुभाग को भेजी जाएगी।

3. (4) भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्राप्ति के बाद बैंक आफ इंडिया टोकियो जापान सरकार, भारत का राजदूतावास टोकियो भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक की सूचना देते हुए इस प्राप्ति की सूचना से संभरक को अवगत कराएगा।

3. (5) पोतलदान करने के बाद जापानी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से ए/पी में उल्लिखित दस्तावेज बैंक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा यदि दस्तावेज सही पाए गए तो बैंक आफ इंडिया टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को जापानी संभरक को अपने बैंकों के माध्यम से रिहा करेगा।

3. (6) जापानी संभरक को भुगतान की व्यवस्था करने के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय बैंक खर्च भारत सरकार के लेखों को प्रभावित किए बिना सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में आयातक से संबंध बैंक द्वारा बैंक आफ इंडिया टोकियो को धन परेषित करके निर्णीत किया जाएगा।

खण्ड-4 रुपया जमा करने का उत्तरदायित्व

4. (1) मूल विनियम पोत परिवहन दस्तावेज साथ ही साथ बैंक आफ इंडिया टोकियो द्वारा भारत में आयातक के सम्बद्ध बैंक को भेजे जाएंगे जो भारतीय स्टेट बैंक या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक को अनुबंध-1 के प में उल्लिखित है, का शाखा होगा उस बैंक को दस्तावेजों के ये विनियम सेट केवल इस बात का मुनिश्चिन कर देने के बाद ही सम्बद्ध आयातक को देने चाहिए कि जापानी संभरक को चुकाई गई येन धनराशि के बराबर रुपया उन मामलों में जहां देने योग्य है ब्याज के खर्च सहित संभरक को भुगतान कर दिया है और उस धनराशि पर जापानी संभरक को बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तिथि से वास्तविक रुपया जमा करने की तिथि तक की अवधि पर पहले 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से और शेष अवधि के लिए 18 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से हिसाब लगाकर ब्याज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन)/83 दिनांक 10-8-1983 के अनुसार सरकारी लेख में जमा कर दिया गया है। ब्याज दोनो दिनों, अर्थात् जिस दिन जापानी संभरक को भुगतान किया जाता है, और जिस दिन सरकारी लेख में रुपया जमा किया जाता है, के लिए देय है। वेदिए सार्वजनिक सूचना सं. 103-आई. टी सी (पी एन)/76 दिनांक 12-10-76 द्वारा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74 दिनांक 31-5-74 भुगतान की येन धनराशि के बराबर रुपये की गणना करने के लिए अपनाई जाने वाली विनियम दर मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित की सार्वजनिक सूचना सं. 8-आई टी सी

(पीएन)/76 दिनांक 17.1.76 में निर्धारित मुद्रा विनियम की निश्चित दर होगी या वह दर होगी जो कि मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनियम निर्यातक परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर अधिभूचित की जाए। इस संबंध में कोई भी परिवर्तन जब और जैसे ही आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। इस बात का सुनिश्चित करने का उत्तरदायित्व सम्बंध भारतीय बैंक का होगा कि आयात वस्तुओं के आयातकों को सौंपने से पहले ही देय धनराशि सरकारी लेखों में सही रूप में जमा कर दी गई है। लाइसेंस धारी को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि अपने बैंकों से वस्तुओं लेने से पहले ही धनराशि लेखों में सही रूप से जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने की आयातक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि सरकारी लेखों में ठीक से जमा करवा दी गई है जबकि उन्होंने विशेष परिस्थितियों में सीमा शुल्क प्राधिकारियों से माल की सुपुर्दगी प्राप्त की हो। उस मामले में जब आयातक सरकार को देय धनराशि माल छुड़वाने से पूर्व जमा करवाने में असमर्थ होता है तो उसे आर. ए. एस. जारी करना रोक दिया जाएगा और मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात को तथ्यों से अवगत करवाया जाएगा जिससे ऐसे आयातक को आगे कोई आयात लाइसेंस न जारी किया जाए। जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त रूपया जमा करना चाहिए वह "के डिपोजिट्स एण्ड एडवांसिज 843 मिजिल डिपोजिट्स-डिपोजिट्स फोर परचेजिंग एटमडा एवाज परचेजिंग उन्डर ग्रान्ट ऐंड फ्राम गवर्नमेंट आफ जापान" फार 1984-85 ग्रान्ट फार परचेज फार दि इक्विपमेंट/मिजिलिज फार दी परपज आफ प्रोमोटींग दि रिसर्च एण्ड प्रिजर्वेशन आफ कल्चरल प्रोपर्टीज इन इंडिया" है।

4. (2) बालान के बाए कोने में कोड नं. 5130000009 दसति हुए उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीन हजार, दिल्ली में सरकार की साख में नकद जमा होनी चाहिए या यदि वह मुविधानक न हो तो स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा या इसके उपसंगी किसी भी राष्ट्रीय बैंक (हुण्डी कर्सी) से प्राप्त एक हुण्डी (डिमाण्ड ड्राफ्ट) के माध्यम से स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीन हजार शाखा, दिल्ली-6 (हुण्डी ग्राह और प्राप्त) की सार्वजनिक-सूचना सं. 184-आई टी सी (पी एन)/68 दिनांक 30.8.68, सं. 233 आई टी सी (पी एन)/68 दिनांक 24.10.68, सं. 132-आई टी सी (पी एन)/71 दिनांक 5.10.71, सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31.5.74 और सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76 दिनांक 12.10.76 में यथा निर्धारित सरकारी लेखों में जमा करने के लिए धन प्रेषण करना चाहिए।

4. (3) सरकार द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के भीतर संबंध भारतीय बैंक भी ऊपर निर्धारित तरीके से वह अतिरिक्त धनराशि सेवा खर्चों के निमित्त भेजना जो भारत सरकार द्वारा मंगा जाए। बालान के विभिन्न कामों को करने समय आयातकों/उनके बैंकों को इस बात का सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76 दिनांक 12.10.76 के साथ पड़ी जाने वाली सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी सी (पी एन)/76 दिनांक 5.10.71 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना और सार्वजनिक सूचना सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74 दिनांक 31.5.74 में भी निर्धारित सूचना बालान के कालम "धन प्रेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण व्योरे" में निरपवाद रूप से निविष्ट किए गए हैं। खजाना बालान में निम्नलिखित व्योरे निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए।

(क) वित्त मंत्रालय भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की सं. और दि.।

(ख) येन मुद्रा का वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिचालन की दर के साथ निक्षेप किए जाने हैं।

(ग) जापानी संरक्षक को भुगतान करने की तिथि।

(घ) भुकाए गए ब्याज की धनराशि और वह अवधि जिसके लिए वह गिना गया है।

(ङ) जमा की गई कुल धनराशि।

(ब्याज की गणना जापानी संरक्षक को भुगतान की तिथि से सरकारी लेखों में समतुल्य रूपया जमा करने की तिथि तक की अवधि के लिए की जानी है।)

उसके पश्चात् सी ए ए एण्ड ए द्वारा जारी किए गए भुगतान के लिए प्राधिकारी पत्र का संदर्भ देते हुए और बीजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों की प्रतियों को संलग्न करते हुए खजाना बालान रूपया जमा करने का साक्ष्य देते हुए पंजीकृत बैंक द्वारा सी ए ए एण्ड ए को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी :—भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रूपये का निक्षेप बैंक आफ इंडिया टोकियो से आयातकी की सूचना और अपरिवर्तनीय पोतलवान दस्तावेजों की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके तत्काल बाद सी ए ए एण्ड ए, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

4. (4) भारत में सम्बंध बैंक आफ इंडिया, को लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति पर रूपया निक्षेपों की धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए और अपेक्षित "एस." प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक आफ बम्बई की भेजनी चाहिए।

#### खण्ड -5 विविध शर्तें

5(1) अनुदान सहायता के उपयोग की रिपोर्ट भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी होने के बाद आयातक को पोतलवानों और उसके अधिन किए गए भुगतानों के संबंध में और जो पोतलवान होने बाकी हैं उनके विषय में एक मासिक रिपोर्ट सी ए ए एण्ड ए आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

आयातक को चाहिए कि वह इस अनुदान सहायता के अन्तर्गत माल के आयात से संबंधित किसी ऐसी विशेष शर्तें संरक्षक को अवगत कराये जो समझौते का पालन करने में संभर्कों पर प्रभाव डालती हो।

5(3) विवाद यह समझ लेना चाहिए कि आयातक और संभर्कों के बीच यदि कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। बैंक आफ इंडिया टोकियो द्वारा भुगतानों से पूर्व संभर्क द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें साफ साफ "भुगतान के नियमों" में अनुबंध-1 में आयातक द्वारा वर्णित जानी जाएगी। विवादों से निपटने की शर्तें ठेके की शर्तों में शामिल होनी चाहिए।

5(4) ध्विष्य अनुदेश आयातों या उनके संबंध में उत्पन्न किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित जापान से 1984-85 के लिए अनुदान सहायता के अधीन भी आभारों को पूर्ण करने के लिए भारत सरकार समम समय पर जारी किए गए विदेशों या अनुदेशों या आवेशों का आयातक को तुरन्त पालन करना होगा।

5 (5) अतिक्रमण या उल्लंघन—उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

5 (6) अनुबंधों की सूची

अनुबंध-1 भुगतान से लिए प्राधिकार पत्र (ए पी) जारी करने के लिए प्रावेदन करने का प्रपत्र

अनुबंध-2 भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए पी) का प्रपत्र।

अनुबंध-1

“भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्रार्थना पत्र”

संख्या  
सेवा में,

विनांक

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक  
वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग  
यू सी ओ बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,  
पालियामेंट स्ट्रीट  
नई दिल्ली-110001विषय: 1984-85 के लिए येन 50 मिलियन की जापानी अनुदान  
सहायता के अंतर्गत जापान से उपस्कर और इसको भारत में  
परतनों तक ले जाने के लिए आवश्यक सेवाओं का आयात

महोदय,

ऊपर उल्लिखित अनुदान सहायता के अधीन .....  
जापान से ऊपर उल्लिखित सामान के ..... आयात  
के संबंध में हैं—सम्बन्ध संभरक के नाम में बैंक आफ इंडिया, टोकियो  
के लिए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए हम आपको  
निम्नलिखित ब्योरे, प्रस्तुत करते हैं:—

- (क) भारतीय आयातक का नाम और पता
- (ख) आयात लाईसेंस की संख्या विनांक और मूल्य और वह तारीख  
जिस तक वैध है।
- (ग) प्राप्ति के तरीके ..... क्या यह सीधे कथ या औपचारिक खुले  
अन्तर्राष्ट्रीय निविदा पर आधारित है। इसके मामले में  
यदि कोई कारण हो तो कारण सहित यह संकेतित होना  
चाहिए कि क्या संधिदा का निर्णय उपर्युक्त न्यूनतम तकनीकी  
प्रस्ताव के आधार पर किया गया है
- (घ) माल का संक्षिप्त विवरण
- (ङ) माल का उद्गम देश
- (ज) संधिदा का कुल लागत भाड़ा मूल्य (येन में)
- (छ) यदि कोई हो तो भारतीय रुपए में भुगतान की जाने वाली  
भारतीय एजेंट के कमिशन का धनराशि (येन में)
- (झ) वह कुल लागत तथा भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए  
भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की आवश्यकता है
- (झ) जापानी संभरकों के साथ की गई संधिदा की संख्या और  
विनांक।

- (ञ) जापानी संभरक का नाम और पता और पात्रता प्रमाण पत्र  
संलग्न करें (दो प्रतियों में)
- (ट) वे भुगतान शर्तें और संभावित निधि जिनको संधिदाओं के  
अंतर्गत भुगतान देय होंगे
- (ठ) सुपुर्दगी को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि।
- (ड) भारतीय बैंक टोकियो को भुगतान करते समय दिए जाने वाले  
दस्तावेज (प्रत्येक सेट की संख्या और निपटान का संकेत करें  
प्रत्येक सेटों की संख्या और उनका निपटान दिखाते हुए।
- (ड) पालतूतान अनुदेश (वाहनान्तरण पार्टशिपमेंट की अनुमति दी  
गई है या नहीं जिविष्ट कीजिए)
- (ण) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।
- (त) आयातक द्वारा बचतबद्धता:—हम एतद्वारा यत्न देने हैं  
कि हम विदेशी संभरक को देय धनराशि के समतुल्य रुपये  
की पूर्ण धनराशि को का सरकार द्वारा निर्धारित क्रियाविधि  
से और प्रचलित ढर पर सही रूप से अमा करवा देंगे। साथ

(आयातित सामग्री) के प्रत्येक परेषण की सुपुर्दगी प्राप्त करने  
से पूर्व राशि जीभ ही जमा करवा दी जाएगी। विदेशी  
राष्ट्रिकों का सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में, जैसे  
ही हमारे द्वारा विदेशी संभरक के संगन बीजक अनुमोदित  
किए जाते हैं और संभरक को भुगतान किया जाता है, वैसे  
ही राशि जमा करवा दी जाएगी”

भवदीय

अनुबंध-2

संख्या एफ  
भारत सरकार  
वित्त मंत्रालय  
आर्थिक कार्य विभाग

नई दिल्ली, विनांक

सेवा में

बैंक आफ इंडिया,  
टोकियो शाखा,  
टोकियो (जापान)विषय:—1984-85 के लिए 50 मिलियन येन की जापानी अनुदान  
सहायता के अंतर्गत जापान से भारत में उपस्कर और उस  
उपस्कर को भारत में परतनों तक ले जाने के लिए आवश्यक  
सेवाओं का आयात/भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के सा ..... को किए गए समझौते की शर्तों  
के अनुसार आपको एतद्वारा यथा संलग्न ब्योरे (जो परिशिष्ट) में  
बर्णित किए हैं के अनुसार सर्वश्री ..... के नाम में  
..... येन धनराशि के भुगतान के लिए प्राधिकृत किया जाता  
है।2. इसका भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की पात्रता के  
वारे में संभरकों को सूचना दे और इसकी प्रत्येक सूचना पत्र की एक प्रति  
जापान सरकार, आयातक बैंक, भारत के राजदूतावास, टोकियो और  
इस मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाए।4. भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की शर्तों के अनुसार भुगतान  
परिशिष्ट में यथा संकेतित सदान दस्तावेजों के आधार पर किया जाएगा।4. आयातक द्वारा आपको दस्तावेज को भेजने आदि के लिए भुगतान  
सहित अथवा किए जाने वाले बैंकिंग भाड़े टोकियो में भारतीय दूतावास/  
आयातक के बैंक द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।5. जैसे ही संभरक द्वारा प्रस्तुत किए गए लक्ष्य दस्तावेज के आधार  
पर आपके द्वारा कोई भी भुगतान किया जाता है तो इसकी सूचना निर्धारित  
प्रपत्र में इस मंत्रालय और आयातक के बैंक को भेजी जानी चाहिए।6. इस मंत्रालय की विशेष अनुमति के बिना भुगतान के लिए  
प्राधिकार पत्र के लिए कोई भी संशोधन जारी किया जा सकता है।

7. यह भुगतान प्राधिकार पत्र ..... तक वैध रहेगा।

8

भवदीय,  
(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित:—

1. आयातक ..... को उनके पत्र सं. ....  
विनांक ..... के संबंध में।

उत्तरे अनुसंधान किया जाता है कि वे बैंकों से परामर्श दस्तावेजों  
की सुपुर्दगी लेने से पूर्व अपने बैंकों के माध्यम से रुपए निक्षेप आदि को  
जमा करवाने की व्यवस्था करें। यदि विशेष परिस्थितियों की वजह से  
मूल परिवहन दस्तावेज प्रस्तुत किए बिना सीमा शुल्क प्राधिकारियों और  
तरफत के प्राधिकारियों से माल की सुपुर्दगी सीधे ही प्राप्त कर ली हो



तो वहाँ सुपूर्दीगी प्राप्त करने से पूर्व धनराशि जमा करवानी चाहिए। विदेशी संभरकों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में, जैसे ही भुगतान के लिए बीजक अनुमोदित किए जाते हैं वैसे ही धनराशि जमा करवा देना चाहिए। शीघ्र ही धीरे-धीरे रूप धनराशि जमा करवाने में असमर्थ होने पर लाइसेंसिंग शर्तों में उल्लिखित कार्रवाई की जाएगी।

2. आयातक का बैंक ..... उनसे निवेदन किया जाता है कि भारतीय बैंक आफ इंडिया, टोकियो ब्रांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरकों को येन ..... के बराबर रुपया जमा करने की व्यवस्था करें। विदेशी संभरकों को चुकाई गई धनराशि के बराबर रुपए की गणनासार्वजनिक सूचना सं. 8-आईटीसी (पीएन)/76 दिनांक 17-1-76 या अन्य ऐसी सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की मिश्रित दर पर की जाएगी। विदेशी संभरक को भुगतान के लिए तिथि से सरकार के लेख में तुल्य रुपया जमा करने की तिथि तक की अवधि के लिए सार्वजनिक सूचना सं. 31 आई टी सी (पीएन)/83 दिनांक 10-8-1983 के अनुसार पहले 30 दिनों के लिए 12% वार्षिक दर पर और इससे अधिक की गणना की गई अवधि के लिए 18% की दर से व्याज भी सरकारी लेख में जमा कराना होगा। व्याज दोनों दिनों के लिए दिया जाएगा अर्थात् वह तिथि जिसको विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और वह तिथि भी जिसको सरकारी लेख में रुपया मिलेप किया जाता है। (इस दर में यदि कोई परिवर्तन किया गया तो तुरन्त उसकी सूचना दी जाएगी) यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमा शुल्क निकासी के लिए आयात दस्तावेजों का मूल सेट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जानी है।

जालान के बाएँ कोने में कोड नं. 51 30000009 यथादि हुए ये धनराशियाँ या तो रिजर्व बैंक आफ इंडिया नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया तीस हजारी दिल्ली में जमा करनी चाहिए या स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा या इसकी अप्रत्यक्ष संस्थाओं या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक से उनके द्वारा प्राप्त की गई स्टेट बैंक आफ इंडिया तीस हजारी शाखा दिल्ली-6 (आवेजित और आदाता) के नाम में और उसके/येन दर्शनी हुण्डी के माध्यम से करनी चाहिए। इस संबंध में आपका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 233 आई टी सी (पीएन) 88 दिनांक 24-10-68 सं. 132-आई टी सी (पीएन) /71 दिनांक 5-10-71, सं. 74 आई टी सी (पीएन) 74 दिनांक 31-5-74 और सं. 100 आई टी सी (पीएन) /76 दिनांक 12-10-1976 की शर्तों की ओर दिखाया जाता है। लेखा शीर्ष जिसमें धनराशि जमा की जाएगी वह "के डिपोजिट एण्ड एक्जामिज-843 सिविल डिपोजिटस डिपोजिटस फार परचेजिस एटसेटा एक्जामिज परचेजिस ग्राण्ट ऐड फाम दि गवर्नमेंट आफ जापान फार 1984-85 है और विस्तृत लेखा शीर्षक" येन 50 मिलियन ग्राण्ट एड फार परचेज आफ इविवर्मेंट /सिबिजिज फार दि परपज आफ प्रोमोटिंग दि रिसर्च एंड प्रिजरवेशन आफ कल्चरल प्रोपर्टीज इन इंडिया है।

जिन मामलों में तुल्य रुपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया तीस हजारी में सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी सी (पीएन)/71 दिनांक 5-1-71 के अनुसार नकद जमा किया जाता है उनमें जापान की मूल रूप में एक प्रतिनिधि बैंक आफ इंडिया टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणी का पूर्ण विवरण देते हुए अग्रेशन पत्र सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजी जाएगी:—

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा निबंधक

विस्तृत मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग)

पहली मंजिल यू० सी० प्रो० बैंक बिल्डिंग

संसद मार्ग, नई दिल्ली 110001

जिस मामले में तुल्य रुपया ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित वर्णनी हुण्डी द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचना उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में व्याज की चुकाई गई धनराशि और जिस अवधि के लिए व्याज की गणना की गई है और उसके साथ जमा किए गए तुल्य रुपए का पूरा ब्योरा इन विभाग को भेजना चाहिए।

समुद्रपार संभरक के बैंक के खर्चों सहित यदि कोई हो तो बैंकिंग खर्च और बैंक आफ इंडिया, टोकियो ब्रांच के अन्य खर्च इंडियन बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जाएंगे

3. भारतीय वृत्तावास टोकियो

4. अवर सचिव (टी ए) शाखा विस्तृत मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग नई दिल्ली।

लेखा अधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 31st August, 1984

PUBLIC NOTICE NO. 49-ITC(PN)|84

SUBJECT : Licensing conditions for import of equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan by National Museum, New Delhi under Japanese Grant Aid for 1984-85 of Yen fifty million.

File No. IPC|23(5)|84.—The terms and conditions governing imports under the Japanese Grant Aid of Yen 50 million of equipment from Japan by National Museum, New Delhi, as given in Appendix to this Public Notice, are notified for information.

Sd/-

P. C. JAIN, Chief Controller of Imports and Exports

APPENDIX TO MINISTRY OF COMMERCE  
PUBLIC NOTICE NO. 49-ITC(PN)|84, DATED THE 31ST AUGUST, 1984. LICENSING CONDITIONS FOR IMPORT OF EQUIPMENT AND SERVICES NECESSARY FOR THE TRANSPORTATION OF THE EQUIPMENT TO PORTS IN INDIA FROM JAPAN UNDER JAPANESE GRANT AID FOR 1984-85 OF YEN FIFTY MILLION (YEN 50,000,000)

Section I : General Conditions

I(i) The Japanese Grant Aid for 1984-85 of Yen 50 million (C & F) is intended to be used for financing payments to Japanese Suppliers for import of equipment and services necessary for the transportation thereof to ports in India, by the National Museum, New Delhi for the research and preservation of cultural properties India.

I(ii) The import licence should be issued for an amount not exceeding Yen 52 million (CIF) in favour of the importer, and should bear the supercription "Yen 50 million Japanese Grant Aid for 1984-85." The licence code for the first and second suffix will be "SJN":

I(iii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence, except bank charges to the Bank of India, Tokyo which may be remitted through normal banking channels, Payment towards Indian Agent's Commission, if any, should be made in Indian rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will therefore, be charged to the licence.

I(iv) The equipment should be procured only from Japan under this Grant Aid.

I(v) The import licence will be issued on CIF basis with validity upto 31-3-1985.

(vi) The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents by the Japanese suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follows :—

"delivery to be completed by 15.3.1985"

I(vii) The contract value (C&F basis only) should be expressed in Yen (fraction of yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's Commission, if any. In no circumstances the contract value should be expressed on any other currency.

The FOB cost and freight amount should be shown separately but it should be clarified in the contract itself whether the freight will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated therein would be the amount payable irrespective of the actual charges.

I(viii) The purchase contract should be entered into only with the Japanese nationals or Japanese juridical persons controlled by Japanese nationals.

Section II :The following provision should be specifically incorporated in the supply contract :—

II(i) The contract is arranged in accordance with the Agreement dated the 11th May, 1984 between the Government of India and Government of Japan concerning the Grant Aid of Yen 50 million for 1984-85 and will be subject to the approval of both the Government.

II(ii) Payments to the suppliers shall be made through an 'Authorization to pay' (A/P) which will be issued by the Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1984-85.

II(iii) The Japanese suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

II(iv) The Japanese supplier agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India, at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements

should be made. In exceptional cases, where the importer require it this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section III. Contract Approval by Governments of India and Japan.

III(i) As soon as the orders are finalised, the importer should forward to the Under Secretary (I.A.), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi 4 copies of the contract duly signed by both parties or purchase orders by the Indian importer placed on the Japanese supplier supported by order confirmation in writing by the Japanese supplier or their photo-copies complete in all respects together with two copies of the "Request for issue of A/P" in the form at Annex. I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts or in its price.

III(ii) The Ministry of Finance (DEA), Japan Section will arrange to send one copy of the contract to the Government of Japan for their approval for financing under the Japanese Grant Aid for 1984-85 of Yen 50 million, and one set of the documents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA&A and the Embassy of India in Tokyo simultaneously.

III(iii) On receipt of the contract approval from the Government of Japan, the Japan Section of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block will inform the the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 of the same who will issue an 'Authorisation to pay' (A/P) to the Bank of India, Tokyo in the form at Annexure II for making payment to the Japanese supplier. Copies of the A/P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo, the Importer, importer's Bank in India and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

III(iv) On receipt of the Authorisation to pay (A/P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the Japanese supplier under intimation to the Government of Japan, Embassy of India, Tokyo, the importers' Bank in India and the CAA&A.

III(v) The Japanese supplier shall, after effecting shipment present through his bankers the documents specified in the A/P to the BOI, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through his bankers.

III(vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for arranging the payment to the Japanese supplier shall be settled by the concerned importer's bank in India by remittances to the BOI, Tokyo through normal banking channel without effecting the Government of India's account.

Section IV. Responsibility for rupee deposit.

IV(i) The original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India

which would be a branch of the State Bank of India or any of the nationalised banks as mentioned in (O) in Annexure-I who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen Payments made to the Japanese supplier alongwith interest charges thereon calculated at the rate of 12% per annum for the first thirty days and at 18% for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese Supplier to the date of actual rupee deposit, is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 13-ITC(PN)/83 dated 10-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the day on which rupee deposited is made into Government account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen Payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&E Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange control circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary, it will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further LAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances—843—Civil deposits—Deposits for purchases etc. abroad purchase under Grant Aid from the Government of Japan"—for 1984-85 Grant for purchase of the equipment/services for the purpose of promoting the research and preservation of cultural properties in India.

IV(ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi, or if this is not possible, should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries or any one of the Nationalised Bank (Drawer) drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (drawee and payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968 and No. 132-

ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976.

IV(iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of service charges within seven days after such a demand is made by the Government while filling in the various columns in the Challan it should be ensured by the Importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 and also in Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 read with Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976 is in variably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any) of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans :—

- (a) Ministry of Finance 'A/P' (Authorisation to Pay) No. and Date.
- (b) Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the Japanese supplier.
- (d) The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- (e) Total amount deposited.  
(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the Japanese supplier upto and inclusive of the date of deposit of rupee equivalents into Government Account).

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the A/P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note : Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance (DEA) New Delhi is informed immediately thereafter.

IV(iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

#### Section V : Miscellaneous provisions.

V(i) Reports on the utilization of the Grant Aid — The importer should send a monthly report after the A/P has been issued regarding shipments and payments made there against and about the balance left to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

V(ii) The importer should apprise the supplier of any special provisions in the import of goods under this Grant Aid which may affect the suppliers in carrying out the transaction.



V(iii) Disputes.—It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any, that may arise between the importer and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-I under "Terms of Payment". Provision dealing with a settlement of disputes be included in the condition of contract.

V(iv) Future Instructions.—The importer shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1984-85 from Japan.

V(v) Breach or violation.—Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

V(vi) List of Annexures :

Annexure I.—Request for issue of A/P.

Annexure II.—Form of A/P.

Annexure-I.

#### REQUEST FOR ISSUE OF THE AUTHORISATION TO PAY

No.

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,  
Ministry of Finance,  
Department of Economic Affairs,  
UCO Bank Building, 1st Floor,  
Parliament Street, New Delhi-110001.

Subject.—Import of equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen 50 million for 1984-85.

Sir,

In connection with the import of above mentioned equipment from Japan under the above mentioned Grant Aid, we furnish the following particulars to enable you to issue the A/P to the Bank of India, Tokyo in favour of the Japanese Supplier concerned:—

- (a) Name and address of Indian importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.

- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Gross C&F value of contract (in Yen).
- (g) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any, payable in Indian rupees.
- (h) Net C&F Value (in Yen) for which the A/P is required.
- (i) Name and date of the contract with Japanese Suppliers.
- (j) Name and address of the Japanese Supplier and attach an eligibility certificate (in duplicate).
- (k) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (l) Expected date of completion of deliveries.
- (m) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (n) Shipment instructions (indicate if transshipment/partshipment permitted or not permitted).
- (o) Name and address of the Importer's Bank in India.
- (p) Undertaking by the Importer.—"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc., of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers".

Yours faithfully,

Account Officer

Annexure-II.

No. F,

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the .....

To

The Bank of India,  
Tokyo Branch,  
Tokyo (Japan).

Subject.—Import of equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid of Yen 50 million for 1984-85. Issue of Authorisation to Pay.



Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated ——— entered into with your Bank, you are hereby authorised to pay an amount not exceeding Yen ——— to M/s. ——— as per details given in the appendix.

2. Please advise the Supplier of the fact of receipt of this Authorisation to Pay (A/P) and endorse a copy of this advice to the Government of Japan, Importers Bank, Embassy of India, Tokyo and this Ministry.

3. Payment to the suppliers in terms of the A/P will be made on the basis of shipping documents as indicated in the Appendix.

4. Banking charges including charges for handling documents and charges of Overseas Suppliers, Bankers if any, payable to you by the importer, will be settled directly by the importer's bank.

5. As and when any payment is made by you on the basis of shipping documents presented by the Japanese supplier, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry and the importer's bank.

6. No amendment to this A/P may be advised in the absence of a specific authority from this Ministry.

7. This A/P will remain valid upto ———.

Yours faithfully,  
Accounts Officer

Copy forwarded to:—

1. Importer ——— with reference to their letter No. ——— dated ———.

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign Nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing conditions.

2. Importer's Banker ———. They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Japanese suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Japanese suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC (PN) 76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 12 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 18 per cent per annum for the period excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalents are deposited in-

to the Government account, is required to be deposited into the Government of India account in terms of Public Notices No. 31-ITC(PN) 83 dated 10-8-1983. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese Supplier and also the date on which rupee deposit is made into Government account. (Any change in this rate will be intimated if and when made). It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the S.B.I., Tis Hazari, Delhi or remitted by means of Demand Draft obtained by them from any Branch of the S.B.I. or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the S.B.I., Tis-Hibari, Delhi-6 (Drawee and Payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 233-ITC(PN) 68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN) 71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN) 74 dated 31-5-74 and 103-ITC (PN) 76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is 'K-Deposits & Advances-843-CIVIL Deposits-Deposit for purchase etc. abroad-Purchases under Grant Aid from Govt. of Japan for 1984-85 under detailed head 'Yen 50 million grant aid for purchase of the equipment/services for the purpose of promoting the research and preservation of cultural properties in India.

One copy of the Challan in original, in cases where the rupee equivalent are credited in cash at the RBI, New Delhi or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN) 71 dated 5-10-1971 should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor, UCO Bank Building, Parliament Street, New-Delhi-110001.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

The banking charges, of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas suppliers bankers, if any, should be settled directly between the Indian Bank and the Bank of India, Tokyo Branch.

3. Embassy of India, Tokyo.

4. The Under Secretary (IA), Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

( )  
Accounts Officer

